प्रेषक

निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड,
ननूरखेड़ा, देहरादून।

सेवा में,

1. सचिव, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर, नैनीताल।
2. अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा, गढवाल मण्डल पौड़ी/कुमायूँ मण्डल नैनीताल
3. समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी उत्तराखण्ड।
4. समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी (द्वारा मुख्य शिक्षा अधिकारी)

पत्रांक/विविध/ 3019-23/ गणतंत्र दिवस संदेश /2022–23 दिनांक 23 जनवरी, 2023

विषय– **गणतंन्त्र दिवस, 2023 के अवसर पर निदेशक, माध्यमिक शिक्षा का संदेश के प्रेषण के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी, 2023 के अवसर पर समस्त छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों, शिक्षणेत्तर कार्मिकों, अभिभावकों हेतु निदेशक, माध्यमिक शिक्षा की ओर से सुभकामना संदेश का प्रेषण किया जा रहा है।

अतः उक्तवत् प्रेषित संदेश कार्यालय एवं विद्यालय स्तर तक प्रसारित करते हुए संदेश मे निहित भावनाओं से समस्त को अवगत कराने का कष्ट करेंगें।

संलग्नक– यथोपरि।

भवदीय
23/1/2023
(रामकृष्ण उनियाल)
अपर निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।

पत्रांक/विविध/ 3019-23 / गणतंत्र दिवस संदेश /2022–23 दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि–निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।

23/1/23
(रामकृष्ण उनियाल)
अपर निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।

आर0के0 कुँवर
निदेशक

उत्तराखण्ड शासन

माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड
ननूरखेड़ा, देहरादून
फोन नं0 0135–2781440
दिनांक : 26 जनवरी, 2023

"गणतंत्र दिवस संदेश"

विद्यालयी शिक्षा परिवार के समस्त छात्र/छात्राओं, विद्वान शिक्षक/शिक्षिकाओं/शिक्षणेत्तर कर्मियों एव सम्मानित अभिभावकों को 74वें गणतंत्र दिवस की पावनबेला पर हार्दिक शुभकामनायें।

आज के दिन 26 जनवरी 1950 को हमारे विद्वान संविधान निर्माताओं द्वारा निर्मित भारतीय संविधान देश में लागू हुआ। संविधान निर्मात्री सभा द्वारा भारत के संघीय स्वरूप को सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्वीकार किया गया।

गणतंत्र दिवस के दिन प्रातः से ही देशवासियों के मन में उत्साह एवं उमंग स्वयमेव उत्पन्न हो जाती है और देश प्रेम, देश भक्ति के गीत हमें भारत का नागरिक होने पर गौरव का अहसास कराते हैं। हम उस देश के वासी हैं जहॉ मन में सच्चाई रहती है/सारे जहॉ से अच्छा आदि गाने देश प्रेम की भावना को जागृत करने का कार्य करते हैं। इन भावनाओं को हमें अंतमन से लेना होगा। हमें धैर्य के साथ सोचना होगा कि हम अपने देश के विकास, समृद्धि एवं उन्नति के लिए क्या कर सकते हैं।

मेरा विश्वास है कि देश/प्रदेश/समाज ने हमें जो दायित्व सौंपा है, प्रथमतः हमें उसे पूर्ण जिम्मेदारी एवं लग्न के साथ निर्वहन करना है। हम सभी शिक्षा विभाग से जुडे हैं। यह हमारा सौभाग्य है। हमारे विद्वान गुरूजन एवं माता पिता के आशीर्वाद के फलस्वरूप ही हम शिक्षा जैसे सम्मानित एवं पुनीत क्षेत्र से जुड़ सके हैं। इस पर हमें मनन करना है।

लोकतंत्र में हमें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहते हुये अपने कर्तव्यों का सम्यक निर्वहन करना है। भारत के संविधान में निहित कर्तव्यों को इस अवसर पर दोहराने का अनुरोध करूँगा।

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि संविधान का पालन करें और उनके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें।

स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोये रखें और उनका पालन करें।

भारत की प्रभुत्ता, एकता और अखण्डता की रक्षा करना हमारा परम–पवित्र कर्तव्य है। समाज में आपसी सामंजस्य और भ्रातृत्व बनाए रखना हमारा दायित्व है। हम उन प्रथाओं का बहिष्कार करें जो महिलाओं के सम्मान के विरूद्ध हैं। हम समन्वित संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझें और उनका परीक्षण करें।

प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और अन्य जीव भी हैं, की रक्षा एवं उनका संवर्धन करें तथा प्राणीमात्र के प्रति दया भाव रखें।

हमारा यह भी कर्तव्य है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएं तथा 'मानववाद' और 'अन्वेषण व सुधार की भावना' का विकास करें। हम सभी सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें और हिंसा से दूर रहें।

व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों से सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करें, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रगति और उपलब्धि की नवीन ऊंचाइयों को छू सके।

अन्त में इस पुनीत अवसर पर हम सभी प्रदेश के चहुमुखी विकास में भावी नागरिकों की भूमिका को पहचानते हुए उनके शैक्षणिक उन्नयन हेतु अपना अभीष्ठ योगदान प्रदान करेंगे। इस अवसर पर सम्मानित विद्वान शिक्षकों एवं कर्मठ कर्मियों द्वारा विभाग की जो मनोयोग से सेवा की जा रही है उसके लिए उन्हें साधुवाद देता हूँ। एक बार पुनः विद्यालयी शिक्षा के समस्त छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों, कार्मिकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

"जय भारत, जय उत्तराखण्ड"

(आर०के० कुंवर)
निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।